

1,00,000

की ओर से सावधानी के साथ किया जाना चाहिए। पीठ में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बीआर गवई न्यायमूर्ति संजय कुमार, न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति आगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 19 फरवरी को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

00 0404 0737 info@open.com

यमुनोत्री में हुई मां यमुना भोग प्रसाद की लॉन्चिंग

इतराकाशी। यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं को विदेशों वारत मां यमुना भोग प्रसाद की लॉन्चिंग हो गई है। अब धाम में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को स्थानीय महिलाओं की और से तैयार किया हुआ प्रसाद मिलेगा। यह प्रसाद मां यमुना धाम संगठन व स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की और से लोकल फार्म सेकल की तब पर विशुद्ध स्थानीय सामग्री से उत्पादित तैयार कर धाम के कपाट उदघाटन के मौके पर इसका लॉन्चिंग कर दिया गया है।

युधवार को मां यमुना के धाम मीर भरतलाल एवं यमुनोत्री धाम में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभक्त के अंतर्गत महिला संघ के मां यमुना भोग प्रसाद के कपाट खुलने के लिए अनेक उपाय विभाग के समन्वय व सहभाग के लॉन्चिंग कर दिया है। इस मौके पर सीडीओ उत्तरकाशी एस एल सेवाना, एसडीएम मुकुंश रमोला, बुजुर्ग कुमार तिवारी, प्रकाश पंथा व मीर सतिश के पतावकारी और मौजूद रहें।

उत्तराखंड बनेगा डिफेंस प्रोडक्शन हब: सीएम धामी

राज्य को ड्रोन एवं रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने को लेकर सरकार गंभीर

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड को डिफेंस प्रोडक्शन हब के रूप में स्थापित करने का संकल्प लेकर उत्तराखंड सीएम धामी ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं में टेक्नोलॉजी के प्रति रुझान पैदा करने का प्रयास करने के साथ ही युवाओं को इनोवेशन के क्षेत्र में आगे बढ़ाकर उत्तराखंड को ड्रोन एवं रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देहरादून, 29 अप्रैल को 'सूर्य ड्रोन डेक 2025' कार्यक्रम में भाग लेते हुए युवा ड्रोन प्रदर्शनी का अवलोकन किया। भारतीय सेना की सेंट्रल कमांड द्वारा सपोर्टेड ऑफ डीजल इंजन मैनुफैक्चरिंग (एस-आई.ए.) के सहयोग से आयोजित यह दो



मुख्यमंत्री ने ड्रोन तकनीक को आपदा राहत कार्यों के लिए वरदान बताया राज्य अधिकार युवा बने ड्रोन एक्सपर्ट: सीएम उत्तराखंड बनेगा ड्रोन मैनुफैक्चरिंग हब

दिवसीय प्रदर्शनी (29-30 अप्रैल, 2025) में विकसित अव्यापक रहीं, जो बाढ़ आधुनिक संय

आवरणकर्ताओं के अनुकूल है व आधुनिक अभियान से प्रेरित है।

भौगोलिक दृष्टि से संवेदनशील राज्य में ड्रोन तकनीक आपदा राहत कार्यों के लिए वरदान

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड जैसे भौगोलिक दृष्टि से संवेदनशील राज्य में ड्रोन तकनीक आपदा राहत कार्यों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। इसलिए हमारी सरकार का प्रयास है कि हमारे युवा न केवल ड्रोन विशेषज्ञ बनें, बल्कि नगरपालिका उपयोग के लिए भी टेक्नोलॉजी आधारित समाधान विकसित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी रई औद्योगिक नीतियों में रक्षा उत्पादन और टेक इनोवेशन को विशेष प्राथमिकता दी गई है। सूर्य ड्रोन डेक 2025 विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा का समन्वय है। इस प्रकार के आयोजन न केवल आधुनिक तकनीकी उल्लेखितों के प्रदर्शन हेतु विशिष्ट संघ प्रदान करते हैं, बल्कि हमारे नौजवानों को ड्रोन और तकनीकी के क्षेत्र में इनोवेशन के लिए प्रेरित भी करते हैं। यह उत्तराखंड को ड्रोन मैनुफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी एक ठोस कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रोन तकनीक में विश्विज्ञता भारत को आधुनिक तकनीकी क्षमताओं का जीवंत प्रमाण है। यह देखकर गह होता है कि भारत अब न केवल रक्षा क्षेत्र में आधुनिक बन रहा है, बल्कि तकनीकी इनोवेशन में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। ड्रोन तकनीक आज रक्षा से लेकर शिक्षा, आपदा प्रबंधन, कृषि तथा ग्रामीण क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है।

यात्रियों के साथ पुलिस कर्मों करें मृदु व्यवहार

रुद्रप्रयाग। पुलिस उपधीक्षक गुलकाशी ने यात्रा व्यवस्था इकाई में लगे पुलिस बल को झट्टी स्थिति पर जाकर ब्रीफ किया। सीओ ने झट्टी स्थल को पंती-पांति समझने के साथ-साथ झट्टी स्थल के आस-पास के क्षेत्र की समग्र जानकारी रखने के निर्देश दिए।

केदारनाथ यात्रा के सफल संचालन एवं आने वाले श्रद्धालुओं की प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा यात्रायात्रा प्रबंधन के लिए केदारनाथ धाम सहित यात्रा के सभी पड़ावों पर पुलिस बल को झट्टी पर लाया गया है। पुलिस उपधीक्षक गुलकाशी विकास गुप्ता ने जाकर ब्रीफ किया। सीओ ने सभी को साफ-सुथरी राई, अच्छा डील आउट रखने के साथ-साथ केदारनाथ पर आने वाले श्रद्धालुओं के साथ निरमल व मृदु व्यवहार रखने, यात्रायात्रा व्यवस्था को बेहतर बनाए जाने के निर्देश दिए।

गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने पर पर्यटन मंत्री ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं



जीएचएलपीन की बुकिंग पट्टी सात कराई पिछ्वासी लाख

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड के पर्यटन, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सखाराम महाराज ने श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने पर शुभकामनाएं दीं। अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा है कि अक्षय तृतीया के पान अवसर पर यात्रायात्रा का शुभारंभ हो गया है।

महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि यात्रायात्रा यात्रा में अनेक श्रद्धालुओं को अवसर उपलब्ध है। गंगावत माहसत विकास निगम के गैर सदस्यों के लिए एक फरारी प्रेरक 2025 से अब तक 78585579 (सात करोड़ पचास लाख पांच हजार पांच सौ अठ्ठासी) ऑनलाइन

एवं ऑफलाइन बुकिंग हो चुकी है। महाराज ने कहा कि यात्रायात्रा यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ऑनलाइन, ऑफलाइन नौजवान, मोबाइल ऐप से नौजवान के साथ-साथ ड्रोन आवाज पंती से भी नौजवान की सुविधा प्रदान की गई है। ऑनलाइन टिकटेशन 28 अप्रैल, 2025 से आरंभ कर दिने गये हैं। यात्रा स्थलों पर रेलिफ, अतिथि, विकासप्रारंभ तथा इन्फोर्मेशन में ऑनलाइन टिकटेशन की व्यवस्था की गई है। यात्रायात्रा यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं में अभी तक ऑनलाइन व ऑफलाइन कटौती के माध्यम से कुल 22,67,190 यात्रियों ने पंतीकरण करवाया है।

यात्रा में सुरक्षा और ट्रैफिक पर नजर रखने के लिए 18 ड्रोन सक्रिय हैं। यह ड्रोन खाली नजर रखने के लिए एंड है बल्कि ड्रोन से जो भी अप्रैल ट्रैफिक या अन्य विषय में प्राप्ता होगा उस पर आगे कार्यवाही होगी। इससे अलग 2000 सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है। यात्रा मार्ग पर 15 सुरंग पंती, 136 पंती और 56 होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। यात्रायात्रा का ज्यादा प्रेरक देखने हुए सीटीवी एरिया में श्रद्धालुओं को रोक जायेगा, उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध होगी।

संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, भाजपा पर बोला हमला

दून की धरती से उठी संविधान रक्षा की आवाज

कांग्रेसियों ने भरी हूँकार: कहा, संविधान बचाओ, देश बचाओ



कांग्रेसियों ने भरी हूँकार: कहा, संविधान बचाओ, देश बचाओ

बचाओ रैली में बहुरी मुख्य अतिथि, पंती कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपाध्यक्ष सचिन पावले ने भाषा प्रसारण पर प्रहार करते हुए कहा कि देश में नरकर का माहौल फैलाना जा रहा है, लक अलसी मूठ से चमक डिट्ठा जा सके। उन्होंने कहा कि आरंभकार से निपटने में केंद्र सरकार असफल रही है और पहलवान को घटना में युधिष्ठा राज की विफलता को खुद सरकार ने स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि 'कांग्रेस ने आरंभकार से लड़ते हुए दो प्रभुधर्मों और कई नए नेता हुए, मगर कभी झुकी नहीं। आज भी कांग्रेस संविधान

उत्तराखंड के लिए हमेशा तैयार: पायलट सचिन पावले ने मंच से स्पष्ट कहा कि वह उत्तराखंड कांग्रेस को वरदान सहयोग देने को तैयार है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा, अब समय है एकजुट होने का, संघर्ष करने का और प्रेरण से कांग्रेस सरकार लाने का।

माहारा ने भाजपा सरकार को घेरा प्रदेश अध्यक्ष कल महारा ने राज्य सरकार पर अनेक खनन और घरे घटपटा के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'जब खुद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वह स्वीकार कर रहे हैं कि राज्य में अनेक खनन हो रहा है, तो इससे बड़ा समुद्र और क्या चाहिए।' महारा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि 'अब समय है कि इस भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर किया जाए।

मैं सबसे उद्वेगदास सिपाही: हरिहर रावत पूर्व मुख्यमंत्री हरिहर रावत ने मंच से स्वयं को 'कांग्रेस का सबसे प्रभुवर्त सिपाही' बताते हुए कहा कि पंती अर्जा के साथ जनता की लड़ाई में आगे हैं। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार को निष्कामी और जनविरोधी सरकार देते हुए जनता से कांग्रेस का साथ देने की अपील की।

सिंह ने भी जम कर भाजपा सरकार पर हमला किया और कार्यकर्ताओं से संघर्ष का आह्वान किया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गंगा गोर्खावाल ने कहा कि आज राज्य का नौजवान, किसान, महिला सभी वर्ग वरतमान भाजपा सरकार से निराश और हताश हैं। प्रदेश के पूर्व मंत्री डॉ. हरि सिंह रावत, विधायक विकास सिंह, विधायक महाराज रावत, विधायक तिलक रावतबुद्ध ने भी सभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का आह्वान था कि कांग्रेस को जीता जाए। उन्होंने कहा कि जिने रिण मर्म और श्रद्धा का साथ आएं होंगे, उसी दिन हम संविधान पंती आस्था को बचाव का संकल्प लेंगे हैं। सचिन पावले को यात्रायात्रा स्थिति विश्व पंती किया गया, और उन्हें संविधान की पंती सीपीआई के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लड़ने को और से भेजी गई थी।

महिला सशक्तिकरण का जीवंत प्रतीक बन रही बालिका निकेतन की बेटियां: रेखा

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री ने किया बालिका निकेतन और नारी निकेतन में नाम निर्भित हॉल का लोकार्पण, विभिन्न क्षेत्रों में उज्ज्वल प्रदर्शन करने वाली बेटियां सम्मानित



कहा कि जिस तरह गीतें तीन-चार साल में बालिका निकेतन की लड़कियों ने चमक और कांति में शानदार प्रदर्शन किया है, यह उनकी दुर्धम मानसिक और संवेदनशीलता की दशाता है। कई लड़कियां सरकारी सेवा में सफल हुई हैं और कई अन्य क्षेत्रों में मंजूरी हैं।

कांग्रेस में मुख्य पंतीवादी अधिकारी मोहन चौरा, परितंत्रण प्रबन्धक रमेश चंद तिवारी, सहायक अधिकाता प्रमोद चन्द कोटियावाल, उप मुख्य पंतीवादी अधिकारी अंजना गुप्ता, राजनी नवन व विला प्रोबेशन अधिकारी मीना विला आदि उपस्थित रहे।

कहा कि जिस तरह गीतें तीन-चार साल में बालिका निकेतन की लड़कियों ने चमक और कांति में शानदार प्रदर्शन किया है, यह उनकी दुर्धम मानसिक और संवेदनशीलता की दशाता है। कई लड़कियां सरकारी सेवा में सफल हुई हैं और कई अन्य क्षेत्रों में मंजूरी हैं।

कांग्रेस में मुख्य पंतीवादी अधिकारी मोहन चौरा, परितंत्रण प्रबन्धक रमेश चंद तिवारी, सहायक अधिकाता प्रमोद चन्द कोटियावाल, उप मुख्य पंतीवादी अधिकारी अंजना गुप्ता, राजनी नवन व विला प्रोबेशन अधिकारी मीना विला आदि उपस्थित रहे।

यात्रा झूटी करने वाले कार्मिकों का 20 लाख का निःशुल्क बीमा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम की पैदल कठिन यात्रा होने के साथ ही यात्रा मार्ग पर हर समय खराब बना रहता है। यहां यात्रा के दौरान यात्रा में मजबूत गिरने के साथ ही यात्रा मार्ग पर कभी भी दुर्घटना हो जाता है। मित्र ने कहा कि बिना इन कार्मिकों के यात्रा का संचालन संभव नहीं है। सभी कार्मिक छह माह दिन-रात यात्रा इकाई में लगे रहते हैं। केदारनाथ धाम और पैदल यात्रा मार्ग की स्थितियां निम्न हैं।

के दूर खोले जाएं। उत्तराखंड के चारो धामों में सबसे कठिन यात्रा केदारनाथ धाम की है। दरअसल, केदारनाथ यात्रा का आगाज हो गया है और दो कोई देश-विदेश के आम मर्कों के दर्शनार्थ यात्रा केदार के दूर खोले जाएं। उत्तराखंड के चारो धामों में सबसे कठिन यात्रा केदारनाथ धाम की है।

कार्मिकों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने हुए विलाधिकारी डॉ सचिन गहबर ने बीमा कवर की रई पहल की है। विलाधिकारी की पहल पर प्रत्येक कार्मिक को बीस लाख रूप का मुफ्त दुर्घटना बीमा कवर दिया जा रहा है। विलाधिकारी ने इस कार्य के लिए विला कार्यक्रम अधिकारी डॉ अश्विनी मिश्र को मोहता अधिकारी नामित किया है। मिश्र ने कहा कि बिना इन कार्मिकों के यात्रा का संचालन संभव नहीं है। सभी कार्मिक छह माह दिन-रात यात्रा इकाई में लगे रहते हैं। केदारनाथ धाम और पैदल यात्रा मार्ग की स्थितियां निम्न हैं।

स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ है एक्स-रे तकनीशियन: डॉ. रावत

नियुक्ति पत्र मिलने की छिल उठे चयनित तकनीशियनों के चेहरे, कहा, विभाग में तकनीकी संवर्ग के विभिन्न रिक्त पदों पर होगी भर्ती



मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स देहरादून। उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड का माध्यम से चयनित 34 एक्स-रे तकनीशियनों को प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने नियुक्ति पत्र वितरित किये।

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के अवसर पर डॉ. रावत ने कहा कि एक्स-रे तकनीशियन स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ हैं। इनकी नियुक्ति से चिकित्सा इकाईयों में मर्कों की बीमारी से सन्वाहित एक्स-रे आसानी से होगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सभागार में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज 34 एक्स-रे टेक्नीशियनों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इसी कड़ी में उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से चयनित 34 एक्स-रे तकनीशियनों को नियुक्ति पत्र सौंपे हैं। डॉ. रावत ने कहा कि एक्स-रे टेक्नीशियन स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ हैं। इनकी नियुक्ति से चिकित्सा इकाईयों में मर्कों की बीमारी से सन्वाहित एक्स-रे आसानी से होगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी।

नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल चुनाव में निर्विरोध अध्यक्ष

निर्वाचित होने पर सभी सदस्यों का आभार एवं धन्यवाद

ललित मोहन मिश्र नवनिर्वाचित अध्यक्ष

नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, ऋषिकेश

श्री कल्याणिका हिमालय देवस्थानम् न्यास कनरा-डोल आश्रम लमगड़ा अल्मोड़ा

पारम्परिक न्यास कनरा-डोल आश्रम लमगड़ा अल्मोड़ा

श्री पीठम् स्थापना महोत्सव 30 अप्रैल 2025 से 12 मई 2025 तक

कपा के समापन अवसर पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी भी उपस्थित रहेंगे। आप तब मिलेंगे कि तत्परता अवधि होकर पुण्यलाम से एवं इस दिव्य आयोजन के सहभागी बनें।

शाह टाइम्स ब्यूरो गांधीनगर की ओर भाग गए। वहाँ तारिक अंसारी पुत्र मो. रीक अंसारी
हल्द्वानी। बनभूलपुरा थानाक्षेत्र में देर मौजूद भीड़ को पुलिस ने निवासी उपरोक्त, मो. कामिल अंसारी

हैं कि पड़ोसी सजय उर्फ चाता न
 करते हुए नरेंद्र को पीटने लगे।
 रेशम, राजा, अक्षय, महेंद्र, सोनी,
 कर दिया। चीता ने पूनम को बेटे चंचल
 सोने को चैन लूट ली। घटना में पू
 नीरज चायल हो गई। वहीं दूसरे पक्ष
 संजय का आरोप है कि घटना पत्र मा
 घुसता है। घटना के रोज नरेंद्र, चंच
 बिनीता व अन्य परिवार वालों ने ३
 गली-गलीज, मारपीट की। बहनभूल
 कि दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा

विनोद पाठक, तारु तिवारी, विकास शर्मा, हेमा पांडे, विपिन पांडे, डिंपल पांडे, अनुजकांत अग्रवाल, मीरा उनियाल, निशा वैला, हेमा मेलकानी, आरू मंडी अच्यक्ष कैलाश जोशी, लक्ष्मी फुलारा, मोहन कांडपाल, ज्योति अवस्थी, नितिन कोहली, पवन बिष्ट, योगिता बनोला एवं हर्षवर्धन पांडे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ती उपस्थित रहे।

समिति ने निजी टैंकर स्वामियों के साथ बैठक की। बैठक में निजी टैंकरों के माध्यम से की जाने वाली जलापूर्ति की दरों के निर्धारण किया गया। जिन पेयजल टैंकरों की क्षमता

कुलपति, केंद्र, या प्राध्यापक जनार्दन एम. एस. एस.



CMYK

सम्पादकीय

गुरुवार , 1 मई 2025

उदारवाद की वापसी

कनाडा में उदारवाद की बयार बहने के पुख्ता संकेत मिले हैं। तय हो चुका है कि लिबरल पार्टी के मार्क कार्नो पीएम बन रहेंगे। चुनाव में बड़ी जीत के बाद कार्नी ने पहले संबोधन में अमेरिका के साथ कनाडा के रिश्तों के अंत का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने विश्वासघात किया है और ये बात कनाडा कभी नहीं भूलेगा। अमेरिका के साथ हमारा पुराना संबंध, जो लगातार बढ़ती एकजुटता पर टिका हुआ था, अब खत्म हो चुका है। अमे. रिका की ग्लोबल ट्रेड पॉलिसी, जिस पर कनाडा ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद से परोसा किया और जिसकी वजह से कई साल तक हमारे देश में समृद्धि रही, अब खत्म हो चुकी है और यह हमारी भी नई सच्चाई है। हम अमेरिका के विश्वासघात के झटके से उबर चुके हैं, लेकिन हमें इस सबक को कभी नहीं भूलना चाहिए। अब हमें खुद का ध्यान रखना होगा। और सबसे जरूरी, हमें एक-दूसरे का ख्याल रखना होगा याद रहे कि जनवरी में जब जस्टिन टूडो ने कनाडा के पीएम पद से इस्तीफा दिया, तो ऐसा लगा कि उनकी लिबरल पार्टी चुनावी हार की ओर बढ़ रही है। उस समय लिबरल्स जनमत सर्वेक्षणों में कंजर्वेटिव्स से 25 अंकों के अंतर से पीछे चल रहे थे। लगभग एक दशक से सत्ता में कायम टूडो आर्थिक मुश्किलों के बीच काफी अलोकप्रिय हो गए थे। कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलीवर ने अपना प्रचार अभियान बदलाव के आह्वान पर खड़ा किया। उन्होंने लिबरल पार्टी के लगातार तीन कार्यकालों को कनाडा के लिए गंवा दिया गया दशक करार दिया। फिर भी, चौंकाने वाला उलट-फेर हुआ और लिबरल पार्टी ने 28 अप्रैल के राष्ट्रीय चुनाव में कंजर्वेटिव्स को चित कर दिया। टूडो के इस्तीफे और चुनावों के बीच दो अहम घटनाक्रमों ने देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया। पहला, अर्थशास्त्री और पूर्व बैंकर मार्क कार्नो को टूडो का उत्तराधिकारी चुना गया। कार्नी ने खुद को टूडो की विरासत से अलग किया और चुनाव को कनाडा की अर्थव्यवस्था को दोबारा खड़ी करने के अवसर के रूप में पेश किया। दूसरा, कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की ट्रम्प की बयानबाजी ने कनाडाई राष्ट्रवाद को जगा दिया और कार्नी की चुनावी लड़ाई को एक नया मकसद और परिप्रेक्ष्य प्रदान किया। कार्नी ने ट्रम्प की धमकियों और सीमा शुल्क के सामने डटकर खड़े होने के लिए खुद को सबसे लायक उम्मीदवार के रूप में पेश किया। एक सफल केंद्रीय बैंकर, जिन्होंने 2008-09 की मंदी के दौरान कनाडा और ब्रेक्सिट के उथल-पुथल भरे वर्षों के दौरान ब्रिटेन का नेतृत्व किया, के रूप में उनके रिकॉर्ड ने भी उनके मकसद में सहयोग किया। नतीजे कंजर्वेटिव्स के लिए पूरी तरह निराशाजनक नहीं हैं। प्राथमिक आंकड़ों के मुताबिक, पार्टी ने 41.4 फीसदी वोट हासिल किए, जो 2011 में 39.6 फीसदी वोट के साथ उन्हें मिले बहुमत से ज्यादा है, लेकिन इस बार यह हुआ कि प्रगतिशील और उदारवादी वोट लिबरल्स के पक्ष में ज्यादा एकीकृत ढंग से एकजुट हुए।

यह एकता और एकजुटता का समय

यह एकता और एकजुटता का समय है, यह वह समय है, जब हमें सामूहिक संकल्प के साथ पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाना है, जिसे वह कभी न भूल पाए, पहलगाम आतंकी हमले के तुरंत बाद 22 अप्रैल की रात को ही कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक की मांग की थी, यह बैठक दो दिन बाद हुई, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी उसमें शामिल नहीं हुए, फिर इस मामले में 24 अप्रैल को पारित कांग्रेस का संसिमाति का प्रस्ताव बिल्कुल स्पष्ट है, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की भी मांग की है, हम सभी को इस बेहद संवेदनशील समय में जिम्मेदारी और एकजुटता के साथ खड़े रहना चाहिए, देश इंतजार कर रहा है।



जयराम रमेश
प्रभारी, कांग्रेस संचार विभाग

श्रमिक शक्ति ही है भारत की असली ताकत

प्रतिवर्ष 1 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस' अथवा 'मजदूर दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जिसे 'मई दिवस' भी कहा जाता है। यह दिवस समाज के उस वर्ग के नाम है, जिसके कंधों पर सही मामलों में विश्व की उन्नति का दारोमदार है। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति तथा राष्ट्रीय हितों की पूर्ति का प्रमुख भार इसी वर्ग के कंधों पर होता है। वर्तमान मशीनी युग में भी उनकी महत्ता कम नहीं है। श्रमिक दिवस और श्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट का कहना था कि किसी व्यवसाय को ऐसे देश में जारी रहने का अधिकार नहीं है, जो अपने श्रमिकों से जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से भी कम मजदूरी पर काम करवाता है। जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से उनका आशय सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक मजदूरी से था।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर यह जानना आवश्यक है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर श्रमिक दिवस कब से और क्यों मनाया जाता है? अमेरिका में 8 घंटे से ज्यादा काम न कराने के लिए की गई कुछ मजदूर युनियनों की हड़ताल के बाद 1 मई 1886 से अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाए जाने की शुरुआत हुई थी। दरअसल वह ऐसा समय था, जब कार्यस्थल पर मजदूरों को चोट लगना या काम करते समय उनकी मृत्यु हो जाना आम बात थी। ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने, कार्य करने के घंटे कम करने तथा सप्ताह में एक दिन के अवकाश के लिए मजदूर संगठनों द्वारा पुरजोर आवाज उठाई गई। 1 मई 1886 का ही वह दिन था, जब वह हड़ताल हुई थी और शिकागो शहर के हेय मार्किट चौराहे पर उनकी रंग सभाएं होती थी। 4 मई 1886 को जब शिकागो के हेय मार्किट में उस हड़ताल के दौरान पुलिस भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास कर रही थी, उसी दौरान किसी अज्ञात शास्त्र ने एकाएक भीड़ पर बम फेंक दिया। उसके बाद पुलिसिया गोलीबारी के कारण कई श्रमिक मारे गए। हालांकि उस समय अमेरिकी प्रशासन पर उन घटनाओं का कोई असर नहीं पड़ा लेकिन बाद में

जम्मू और कश्मीर में पहलगाम से लगभग पांच किलोमीटर दूर प्राकृतिक आकर्षण का केंद्र रहे प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बैसर घाटी में गत 22 अप्रैल को पांच-छह सशस्त्र आतंकवादियों द्वारा निहत्थे व बेगुनाह पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की गई जिसमें 27 लोगों की जानें चली गई जबकि 20 से अधिक लोग घायल हो गए। प्राप्त समाचारों के अनुसार इस दुर्घात आतंकी हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के ही एक छाया संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने स्वीकार की है। पाकिस्तान में पनाह पाने वाले विभिन्न आतंकी संगठन गत तीन दशकों से भी लंबे समय से भारत में आतंकी हमले करते रहे हैं। पाकिस्तान में अनेक आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। इनमें कई संगठनों के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। इन आतंकियों द्वारा जहां घाटी में सैनिकों व आम नागरिकों को निशाना बनाया जाता रहा है वहीं इन्होंने कश्मीर के बाहर भी 26/11 जैसा बड़ा हमला अंजाम दिया। इतना ही नहीं बल्कि अक्षर घाम, जम्मू, वाराणसी, अयोध्या जैसे देश के कई प्रमुख मंदिरों को भी इन आतताइयों ने नहीं बख्शा। मंदिरों पर इनके हमलों का उद्देश्य हमेशा से स्पष्ट रहा है कि यह अपनी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देकर भारत में साम्प्रदायिक विभाजन कराना चाहते थे। परन्तु पूर्व की सरकारों ने सूझवान भारतीय जनता के सहयोग से पाकिस्तानी आतंकियों के ऐसे नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होने दिए।

निश्चित रूप से 22 अप्रैल के पहलगाम के बैसर घाटी के हमले का भी मक़सद भारत में साम्प्रदायिक उबाल पैदा करना था। तभी आतंकियों ने 2008 के मुंबई हमलों के बाद इस तरह की सबसे घातक घटना को अंजाम दिया। परन्तु इस हमले के दौरान और इसके फौरन बाद से ही घाटी के स्थानीय लोगों द्वारा इस हमले का जिस स्तर पर विरोध किया गया और पर्यटकों की जिसतरह सहायता की गई उससे आतंकियों के इरादों पर एक बार फिर पानी फिर गया। इममें एक नाम जो सबसे अधिक सुर्खियों में रहा वह था पहलगाम के नज़ाकत अहमद शाह का, जिन्होंने अपनी बहादुरी पर सज़्जबूझ से 11 पर्यटकों की जान बचाई। नज़ाकत अहमद शाह ने छत्तीसगढ़ के 11 लोगों के जीवन को बचा लिया। जिनकी जान नज़ाकत अली उर्फ़ नज़ाकत अहमद शाह ने बचाई उनमें मुख्तार, छत्तीसगढ़ के चार परिवार के लोग शामिल हैं। इसमें बीजेपी युवा मोर्चा के नेता अरविंद अग्रवाल, कुलदीप स्थापक, बीजेपी पार्षद पूर्वा श्यापाक, पूर्व पार्षद शिवांश जैन और हैपी बाधवान का परिवार तथा कई बच्चे शामिल हैं। स्वयं भाजपा नेता अरविंद अग्रवाल ने नज़ाकत अली के साथ अपनी फीटो पोस्ट सोशल मीडिया साइट एक्स पर साज़ा कर उनकी मदद की तारीफ़ करते हुए लिखा

कुरान और गीता के तुलनात्मक अध्यनन से हिंदुओं और मुसलमानों को करीब लाने की पहल

ए म हसन लिखते हैं कि ऐसे समय में जब दोनों समुदाय एक दूसरे से उलझे हुए हैं, इस तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से दोनों पवित्र ग्रंथों में समानताओं को प्रभावी ढंग से उजागर करने और दोनों समुदायों को भारत और अन्य जगहों पर शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए एक साथ लाने का प्रयास किया गया है। दोनों ग्रंथों में बहुत सी समानताएँ हैं, जिन्हें लोगों को ठीक से पढ़ाए जाने की जरूरत है।

पूर्वी यूपी के अंबेडकर नगर (अकबरपुर) जिले से ताल्लुक रखने वाले कोम स्थित प्रमुख शिया विद्वान डॉ. सैयद अब्बास मेहदी हसनी ने पवित्रा ग्रंथों कुरान और भगवद गीता के तुलनात्मक अध्ययन में दोनों ग्रंथों के बीच समानता और अंतर पर काफ़ी जोर दिया है।

डॉ. मेहदी ने इस मुद्दे पर अपनी डॉक्टरेट थीसिस की है जिसका शीर्षक है: सामाजिक और तर्कसंगत पहलुओं पर जोर देते हुए कुरान और गीता की पोषणकारी शिक्षा का विकास। कधेम के शिया इस्लामी विद्वता में प्रचलित अनुटी व्याख्याओं और दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए, डॉ. मेहदी ने एकेश्वरवाद, नैतिक आचरण, ईश्वर की अवधारणा, कर्म की भूमिका और आत्मा की प्रकृति जैसे विषयों पर चर्चा की है और दोनों ग्रंथों के बीच समानता और अंतर दोनों को उजागर किया है। अल-मुस्तफा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट शोध डॉ. हिम्मत बनारी के मार्गदर्शन में अलीगढ़ स्थित डॉ. अली मोहम्मद नकवी और दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. बलराम शुक्ला के सलाहकार के रूप में पूरा किया गया है। डॉ. मेहदी ने कहा कि ऐसे समय में जब दोनों समुदाय अपने में भिड़े हुए हैं, इस तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से दो पवित्र ग्रंथों में समानता को

नफरत की ये आग कब बुझेगी ?



आतंकियों ने **2008** के मुंबई हमलों के बाद इस तरह की सबसे घातक घटना को अंजाम दिया, परन्तु इस हमले के दौरान और इसके फौरन बाद से ही घाटी के स्थानीय लोगों द्वारा इस हमले का जिस स्तर पर विरोध किया गया और पर्यटकों की जिस तरह सहायता की गई उससे आतंकियों के इरादों पर एक बार फिर पानी फिर गया

कि आपने अपनी जान दांव पर लगा कर हमारी जान बचाई। हम नज़ाकत भाई का एहसान कभी नहीं चुका पाएंगे। अरविंद अग्रवाल ने यह भी लिखा कि ‘जब मेरी पत्नी के कपड़े फट गए तो कश्मीरी मुस्लिम ने अपना कुर्ता दे दिया था’।

इसी तरह पहलगाम की एक पर्यटक शिवांशी जैन ने बताया कि जब गोली चलने लगी तो उनके साथ कश्मीर के व्यवसाई नज़ाकत अली ने सामने आकर सभी को बाहर निकाला। जब आतंकी गोलियां बरसा रहे थे उस समय नज़ाकत सभी पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर ले गए। नज़ाकत अली ने जो मानवता और कश्मीरीयत की मिसाल पेश की है उससे चिरमिरी (छत्तीसगढ़) वासी गदगद हैं। गौरतलब है कि कश्मीर के नज़ाकत प्रत्येक वर्ष सर्दियों में कश्मीरी शॉल और गम कपड़े बेचने हेतु चिरमिरी आते रहे हैं। उनका पूर्व पार्षद पूर्वा श्यावांश जैन से घनिष्ठ संबंध बना हुआ है। इसी नाते जब चिरमिरी के 11 लोग पहलगाम पहुंचे थे तो नज़ाकत अली ने ही उन्हें वादियों की सैर कराने की जिम्मेदारी ली थी। और आतंकी हमला होने पर नज़ाकत अली ने ही अपनी बहादुरी से छत्तीसगढ़ के

इन मेहमान पर्यटकों की जान बचाई।

बहादुरी की मिसाल पेश करने वाले ऐसे ही एक और कश्मीरी युवक का नाम था सैयद आदिल हुसैन शाह। आदिल एक पेशेवर स्थानीय घुड़सवार था जो पर्यटकों को कार पार्किंग क्षेत्र से पहलगाम के बैसर घास के मैदान तक ले जाया करता था। आतंकी हमले के दौरान आदिल ने असाधारण वीरता व साहस का परिचय दिया। जब आतंकी हमला शुरू हुआ, तो सैयद आदिल अपने साथ लाए गए पर्यटकों की जान बचाने के मक़सद से एक हमलावर की बंदूक़ के सामने पर्यटक को ढाल बनकर खड़े हो गए। आदिल के इसी साहसी प्रयास में आतंकियों ने उसे गोली मार दी। और आदिल मौक़े पर ही मारा गया। पूरी घाटी में ही नहीं बल्कि पूरे देश में सैयद आदिल हुसैन शाह की बहादुरी व उसकी शहादत व कर्तव्य की चर्चा हो रही है। इसतरह की और भी अनेक घटनाएँ जो बैसर घाटी हमले के बाद सामने आईं जिनसे पता चलता है कि किसतरह अनेक स्थानीय लोगों ने देश के विभिन्न इलाकों से आने वाले पर्यटकों को अपने घरों में सुरक्षित पनाह दी। उन्हें सभी ज़रूरी चीज़ें मुफ्त मुहैया कराईं।

कुरान और गीता की शिक्षाओं को सामाजिक और बौद्धिक आयामों में वर्णनात्मक-विश्लेषणात्मक और तुलनात्मक पद्धति से व्यक्त करने के बाद इन दोनों पुस्तकों की शिक्षाओं की तुलना की गई है और फिर उनके समान और भिन्न बिंदुओं का वर्णन किया गया है। विद्वान ने संस्कृत में गीता की एक चौपाई ली है और उसे फारसी भाषा में समझाने के बाद कुरान की उपलब्ध आयतों से उसकी तुलना की है। डॉ. मेहदी लिखते हैं, समानताएं और अंतर स्वाभाविक हैं क्योंकि गीता की कई शिक्षाएं दिव्य ग्रंथों की तरह हैं। कई हिंदू विद्वान दावा करते हैं कि गीता एक ईश्वरीय रहस्योद्घाटन है। सामाजिक आयामों में, रिश्तेदारों के प्रति विनम्रता जैसे सम्मानजनक व्यवहार और शिक्षक और संरक्षक के संबंध में विनम्रता और शासकों के संबंध में न्याय और सामान्य जनता के संबंध में समानता और अहिंसा आदि के प्रति सम्मान। बौद्धिक आयाम में तर्कसंगत शिक्षा के कारक जैसे विचार का सिद्धांत और अंतर्दृष्टि का सिद्धांत। उनका कहना है कि इनमें से कई सामग्रियों में मानात्मक और गुणात्मक लाभ हैं, जिन्हें इस चर्चा में बताया गया है। उनका कहना है कि इन शिक्षा प्रथाओं को चुनने और उनका अभ्यास करने से व्यक्तियों के सामाजिक और बौद्धिक आयामों का विकास हो सकता है। यह फारसी भाषा में अपनी तरह का पहला अध्ययन है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि एकेश्वरवाद पर दोनों ग्रंथ मूल रूप से एक सार्वकश ईश्वर में विश्वास को बनाए रखते हैं, हालांकि प्रत्येक परंपरा में इसकी अलग-अलग व्याख्या की गई है। इसी तरह नैतिक शिक्षाओं में दोनों ईमानदारी, न्याय, दान और आत्म-नियंत्रण जैसे नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं। कर्म के महत्व पर दोनों ग्रंथ

एम. हसन

कर्म की अवधारणा को स्वीकार करते हैं, जहां कर्मों के इस जीवन और उसके बाद के परिणाम होते हैं। इसी तरह दोनों समाज में अपने कर्तव्य या 'धर्म' का पालन करने की अवधारणा पर जोर देते हैं और दोनों आध्यात्मिक मुक्ति प्राप्त करने के लिए ध्यान, प्रार्थना और आत्म-चिंतन जैसी प्रथाओं को प्रोत्साहित करते हैं।

उल्लेखनीय है कि हिल ख्रिग इंटरनेशनल स्कूल, मुंबई के प्रमित गायल ने अपने शोधपत्र में लिखा है। ' भगवद् गीता और कुरान: एक ही सिक्के के दो पहलू उन्होंने लिखा है दोनों धर्मग्रंथ अपनी शिक्षाओं के संदर्भ में कई समानताएं साझा करते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, कई बार व्यक्तियों और समूहों द्वारा अपने निहित स्वार्थों की गईं तो कहीं ऐसी टिकानों की पहचान कर वहां तोड़ फोड़ की गई। हद तो यह है कई जगह छात्रावास में रह रहे कश्मीरी छात्रों को मारा पीटा गया व उन्हें अपमा. नित किया गया। ऐसी शर्मनाक घटनाओं की भी जितनी निंदा की जाये वह कम है। यह देश के अमन पसंद लोगों को सुनिश्चित करना होगा कि आखिर नफरत की ये आग कब बुझेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रोजाना खाली पेट सूखे आंवले और जीरे का पानी पीने से शरीर को मिलेंगे कई फायदे

आयुर्वेद में सूखा आंवला पाउडर और जीरे के पानी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। दरअसल, आंवला और जीरा दोनों ही प्राकृतिक तत्व और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। यह शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्युनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। इसके अलावा यह बालों और स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

सूखा आंवला पाउडर और जीरे का पानी पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। आंवले में फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है, जो कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। वहीं जीरा गैस, एसिडिटी और अपच को ठीक करता है। ऐसे में अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट आंवला पाउडर और जीरा पानी पीते हैं, तो इससे पाचन संबंधी समस्या दूर होगी।

इम्युनिटी

आंवला विटामिन सी का मुख्य स्रोत है। यह शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाता है। आंवले में मौजूद

एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने का काम करते हैं। जीरा में एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जोकि इंफेक्शन से लड़ने में सहायता करता है। ऐसे में नियमित रूप से यह पीने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं कम होती हैं।

वेट लॉस

अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सूखा आंवला पाउडर और जीरा पानी आपके लिए लाभकारी हो सकता है। आंवला मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और जीरा भी एक्स्ट्रा फीट कम करता है।

डिटॉक्सिफिकेशन में लाभकारी

आंवला और जीरा पानी पीने से शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। आंवला लिक्व को स्वस्थ रखता है और खून साफ करता है। वहीं जीरा भी शरीर के हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार होता है।

स्किन व बालों के लिए फायदेमंद

आंवला में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह स्किन को ग्लोइंग बनाता है और झुर्रियों को भी कम करता है। वहीं यह पिगमेंटेशन और मुंहासों को भी दूर करता है।

पाक के लिए अगले 36 घंटे भारी

सूचना मंत्री ने आधी रात प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- हमारे पास है खुफिया जानकारी

इस्लामाबाद। पाक ने दावा किया है कि भारत उसके खिलाफ अगले 24-36 घंटों में सैन्य कार्रवाई कर सकता है। पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तारार ने बुधवार देर रात को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावा किया। तारार ने कहा कि उन्हें विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली है कि भारत पहलगाम घटना के बहाने ऐसा कर सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है और इस संकट के दर्द को सही मायने में समझता है। हमने दुनिया में हमेशा इसकी निंदा की है। तारार ने कहा कि अगर भारत कोई सैन्य हमला करता है, तो पाकिस्तान उसका निश्चिंत और कड़ा जवाब देगा। उन्होंने कहा कि हम हर कोमत पर पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करेंगे। तारार ने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम हमले की सच्चाई का पता लगाने के लिए एक भरोसेमंद, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच की खुले

तौर पर पेशकश की है, लेकिन भारत जांच से बचना चाहता है और टकराव का रास्ता अपनाना चाहता है। इसके पूरे क्षेत्र में विनाशकारी परिणाम होंगे। पाकिस्तानी मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को इससे सतर्क रहना चाहिए। आगे होने वाले किसी भी खतरे और परिणाम की जिम्मेदारी पूरी तरह से भारत की होगी। इससे पहले पाकिस्तान की रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी सोमवार को एक इंटरव्यू में कहा था कि भारत जल्द ही हमला करने वाला है। आसिफ ने कहा कि आने वाले दिन बेहद अहम होंगे। चीन और सऊदी अरब समेत कई खाड़ी मुल्क दोनों देशों के बीच चल रहे संघर्ष को रोकने की कोशिश में लगे हैं। अगर कुछ होगा तो 2-3 दिन में ही होगा। हालांकि अगले ही दिन आसिफ ने अपने बयान से पीछे हटते हुए कहा था कि उनकी बात को गलत तरीके से पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हाई अलर्ट पर है।



हमें विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली है कि पाक पहलगाम घटना के बहाने ऐसा कर सकता है, पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार रहा है। अगर भारत कोई सैन्य हमला करता है, तो पाकिस्तान उसका निश्चित और कड़ा जवाब देगा

...अताउल्लाह तारार, सूचना एवं प्रसारण मंत्री पाकिस्तान

हार्वर्ड में पाक कॉन्फ्रेंस पर गहराया विवाद

वॉशिंगटन। अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के साउथ एशिया इंस्टीट्यूट में हाल ही में पाकिस्तान कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें पाकिस्तान वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब और अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रिजवान सईद शोख ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम 27 अप्रैल को हुआ था, जिसका आयोजन पाकिस्तानी छात्रों ने किया था। इस इवेंट के 4 दिन पहले यानी 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इस कॉन्फ्रेंस को लेकर भारतीय स्टूडेंट्स ने हार्वर्ड के सामने अपना विरोध और आपत्ति दर्ज कराई। इसके बाद हार्वर्ड ने खुद को इस मुद्दे से अलग कर लिया और अपनी वेबसाइट से कार्यक्रम को जानकारी हटा दी। दो भारतीय स्टूडेंट सुरभि तोमर और रश्मिनी कोपरकर ने हार्वर्ड एडमिनिस्ट्रेशन और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को लेटर लिखा।

पहलगाम आतंकी हमले से उत्पन्न स्थिति पर नजर रख रहा अमेरिका



वॉशिंगटन। अमेरिका ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि वह पूरी स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि अमेरिका पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर में और अधिक तनाव रोकने के लिए पाकिस्तान और भारत दोनों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के संपर्क में हैं और उनसे संघर्ष से बचने का आग्रह कर रहे हैं। अमेरिका घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है और जिम्मेदार कृतीति को प्रोत्साहित करता है। सु ब्रूस ने दुनिया की नजरों के सामने शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए सहयोग की जरूरत पर जोर देते हुए पाकिस्तान के हालिया बयानों पर भी बात की।

CMYK

केन्या प्रतिनिधिमंडल का राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय का दौरा

नई दिल्ली। केन्या के नेशनल डिफेंस कॉलेज के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय का दौरा किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार केन्या के नेशनल डिफेंस कॉलेज के 20 सदस्य प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सीनियर डायरेक्टिंग स्टफ (सेना) ब्रिगेडियर रिचर्ड वम्बुआ म्वांजिया ने किया। प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा सेनाओं के बीच परस्पर सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत भी की और अनुभवों को

पाक ने यूएनएससी के बयान से टीआरएफ का नाम हटाया

विदेश मंत्री इशाक डार ने संसद में माना, इस आतंकी संगठन ने ली थी पहलगाम हमले की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम देने वाले संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का नाम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बयान से हटाने के लिए दबाव बनाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को सीनेट में दिए गए एक बयान में यह कबूल किया है। पाकिस्तान इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। सुरक्षा परिषद के निंदा बयान के लिए सभी सदस्यों की

सहमति जरूरी है। इशाक डार ने बताया कि अमेरिका ने हमले की निंदा करने के लिए एक प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि जब मुझे प्रस्ताव की कॉपी मिली तो उस पर केवल पहलगाम लिखा था और हमले के लिए द रेजिस्टेंस फोरम का नाम लिखा गया था। डार ने आगे कहा कि हमने इस पर विरोध जताया और कहा कि पाकिस्तान तब तक इस पर हस्ताक्षर नहीं करेगा जब तक पहलगाम के साथ जम्मू और कश्मीर का भी जिक्र नहीं किया जाता और टीआरएफ का

नाम हटाया नहीं जाता। डार ने कहा कि उन्होंने 2 दिन तक इस प्रस्ताव पर साइन नहीं किया। इस दौरान कई देशों से उन्हें फोन आते रहे। यूनाइटेड नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने 25 अप्रैल को पहलगाम हमले को लेकर निंदा प्रस्ताव जारी किया था। इशाक डार ने कहा कि उन्होंने दुनियाभर के नेता यह कहते रहे कि निंदा प्रस्ताव न आने से पाकिस्तान के ऊपर आरोप आएगा। इसके बावजूद वे अपने दावे पर अड़े रहे। आखिरकार पाकिस्तान के दबाव में प्रस्ताव में बदलाव किया गया और

फिर यूएनएससी ने 25 अप्रैल को बयान जारी किया। यूनाइटेड नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने 25 अप्रैल, 2025 को पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की थी। इसमें 26 लोग मारे गए थे। इसमें भारत और नेपाल के लिए संवेदना जताई गई थी। यूएनएससी ने कहा कि आतंकवाद हर रूप में अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए बड़ा खतरा है और हमले के दोषियों व उनके समर्थकों को सजा मिलनी चाहिए। हालांकि इस बयान में द रेजिस्टेंस फ्रंट, जिसने हमले की



जिम्मेदारी ली थी उसका जिक्र नहीं किया गया था। पहलगाम हमले का मकसद गैर-मुस्लिमों को निशाना बनाकर सांप्रदायिक तनाव भड़काना था, लेकिन बयान में इसका भी जिक्र नहीं था।

चीन में जंगल की आग को लेकर ऑरेंज अलर्ट

बीजिंग। चीनी अधिकारियों ने बुधवार को 1 से 5 मई तक चीन के कुछ हिस्सों में जंगल की आग के लिए दूसरा सबसे उच्च-स्तर का ऑरेंज अलर्ट जारी किया। राष्ट्रीय वन और चरागाह अग्नि-निर्बंधन कमान कार्यालय एवं आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने पांच दिवसीय हट्टी के दौरान हेबेई, शांक्सी, हेनान और शांक्सी के कुछ हिस्सों में जंगल की आग के लिए अलर्ट जारी किया। आपातकालीन प्रबंधन विभागों को आग के खतरे में बदलावों की बारीकी से निगरानी करने, प्रारंभिक चेतावनी और प्रतिक्रिया उपायों को लागू करने, आग के स्रोत

निर्बंधन को लगातार सुदृढ़ करने, आपातकालीन तैयारियों को मजबूत करने और जंगल की आग के जोखिम से प्रभावी ढंग से निपटने का निर्देश दिया गया है। जंगल और चरागाह की आग आठ प्रमुख प्राकृतिक आपदाओं में से एक है। गौरतलब है कि एमईएम के एक अधिकारी यांग जुओंग ने 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस पर कहा, आम तौर पर, हाल के वर्षों में चीन की जंगल की आग में कुल मिलाकर गिरावट देखी गई है। आंकड़े बताते हैं कि, 1950 से 1989 तक, चीन में सालाना औसतन लगभग 16,000 जंगल की आग की घटनाएं हुईं।

वही, 1990 से 2020 के बीच यह संख्या घटकर लगभग 6,000 रह गई और 2021 से यह और भी कम होकर प्रति वर्ष 1,000 से भी कम रह गई है। यांग के अनुसार, जंगल और घास के मैदानों में आग लगने के कारणों को प्राकृतिक और मानवीय कारकों में वर्गीकृत किया जाता है, जिनमें से 90 प्रतिशत से अधिक आग लगने की घटनाओं के लिए मानवीय कारक जिम्मेदार होते हैं। चीन में जंगल की आग के लिए चार-स्तरीय चेतावनी प्रणाली है, जिसमें लाल सबसे उच्च है, उसके बाद नारंगी, पीला और नीला है।



नाइजीरिया: आतंकवादी हमले में 14 लोगों की मौत

अबुजा। नाइजीरिया के बोर्नो प्रांत में संदिग्ध आतंकवादियों के हमले में एक समुदाय के कम से कम 14 लोग मारे गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बोर्नो के चिबोक स्थानीय सरकारी क्षेत्र के प्रमुख मोडू मुस्तफा ने संवाददाताओं को बताया कि आतंकवादियों के प्रतिबंधित बो. को हिराम समूह के सदस्य होने का संदेह है। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने सोमवार शाम दिवंगत नेता के लिए तीसरे दिन की प्रार्थना के दौरान चिबोक समुदाय पर हमला किया, अंधाधुंध गोलीबारी की और सात शोक संतप्त लोगों को मार डाला। स्थानीय स्वयंसेवकों ने हता.

हत्तों की तलाश में आसपास के इलाकों की तलाशी ली, जिसके बाद मंगलवार को सात और शव बरामद किए गए। मुस्तफा के अनुसार, हिंसा के दौरान कई अन्य लोग गोली लगने के कारण अलग-अलग स्तर पर घायल हुए हैं। हमले के दौरान कई घरों में आग लगा दी गई। स्थानीय सरकारी अधिकारी ने कहा कि हता. हत्तों की संख्या बढ़ सकती है। गौरतलब है कि बोको हिराम अपने सहयोगी समूह इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रांत के साथ मिलकर पूर्वोत्तर नाइजीरिया में इस्लामी राज्य स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। आतंकी समूहों ने लेक चाड बेसिन के दूसरे देशों में भी अपने हमले बढ़ा दिए हैं।

यूएस के साथ रिश्ते खत्म, विश्वासघात से चोट पहुंची: कार्नी

ओटावा/कनाडा। लिबरल पार्टी के मार्क कार्नी प्रधानमंत्री बन रहेंगे। आम चुनाव में उनकी पार्टी ने 343 में से 169 सीटें जीती हैं। ये 172 सीटों के बहुमत के आंकड़े से सिर्फ 3 सीटें कम है। उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंजर्वेटिव पार्टी सिर्फ 144 सीटें जीत सकी। पार्टी का नेतृत्व कर रहे पियरे पॉलिवर अपनी सीट भी नहीं बचा सके। वे लिबरल पार्टी के उम्मीदवार से हार गए। लिबरल पार्टी की जीत के बाद उसे चौथी बार सत्ता में बने रहने का मौका मिला है। ए पार्टी के लिए बहुत बड़ा जनादेश है, क्योंकि दो महीने पहले तक पार्टी के जीतने की उम्मीद बहुत कम थी। पॉपुलैरिटी रेटिंग में पार्टी को सिर्फ 25 प्रतिशत पॉइंट मिले थे। जीत के बाद कार्नी ने पहले संबोधन में अमेरिका के साथ कनाडा के रिश्तों के अंत का ऐलान

किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने विश्वासघात किया है और यह बात कनाडा कभी नहीं भूलेगा। अमेरिका के साथ हमारा पुराना संबंध, जो लगातार बढ़ती एकजुटता पर टिका हुआ था, अब खत्म हो चुका है। अमे. रिका को ग्लोबल ट्रेड पॉलिसी, जिस पर कनाडा ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद से भरोसा किया और जिसकी वजह से कई साल तक हमारे देश में समृद्धि रही, अब खत्म हो चुकी है और यह हमारी भी नई सच्चाई है। हम अमेरिका के विश्वासघात के झटके से उबर चुके हैं, लेकिन हमें इस सबक को कभी नहीं भूलना चाहिए। अब हमें खुद का ध्यान रखना होगा और सबसे जरूरी, हमें एक-दूसरे का ख्याल रखना होगा। जब मैं राष्ट्रपति ट्रम्प से मिलूंगा, तो यह दो स्वतंत्र देशों के आगे के संबंधों

पर चर्चा करने के लिए होगा। हम एक नया रास्ता तय करेंगे, क्योंकि यह कनाडा है और यहां जो होगा, वह हम तय करेंगे। हमें बड़े सपने देखने होंगे

और उससे भी बड़े काम करने होंगे। हमें वो काम करने होंगे जो पहले असंभव माने जाते थे, और ऐसी गति से करने होंगे, जो इसके पहले की

मार्क कार्नी और ट्रम्प ने मुलाकात पर सहमति जताई

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने निकट भविष्य में व्यक्तिगत रूप से एक-दूसरे से मुलाकात करने पर सहमति जताई है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, कार्नी ने सोमवार को संसदीय चुनावों में जीत के एक दिन बाद मंगलवार को ट्रम्प से बात की, जिसमें अमेरिका की ओर से टैरिफ और विलय की धमकियाँ जैसे मुद्दे हावी रहे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने कनाडा और अमेरिका के स्वतंत्र, संप्रभु राष्ट्रों के रूप में एक साथ काम करने के महत्व को लेकर सहमति जताई। कार्नी ने अपने विजय भाषण के दौरान कई बार कनाडा-अमेरिका संबंधों का उल्लेख किया, कनाडावासियों को अमेरिका के साथ चल रही शत्रुता से उत्पन्न चुनौतियों की याद दिलाई।

पीढ़ियों ने नहीं देखी होगी। अमेरिका ने जो हमसे छीना है, उससे कहीं ज्यादा हम खुद को दे सकते हैं।

